

Govt. Arya Degree College Nurpur, District Kangra, H.P. 176202

A Report

on

National Seminar on Nature and Society (NSNS-2024)

(2 September 2024)

One Day National Seminar on Nature and Society (NSNS-2024) held at Government Arya Degree College Nurpur on 2nd September, 2024 in hybrid mode. It was dedicated to discussing issues, exchanging of ideas and views towards the advancement of Nature, environment and society. Around 93 abstracts of papers received which were contributed by various academicians, environmentalists, scientists, and professionals from different institutions/colleges of state and other parts of the country.

Aim of the seminar on Nature and Society:

The aim of the seminar on "Nature and Society" typically involves exploring the complex relationship between natural environments and human societies.

Key Objectives:

- **Understanding Interactions:** Examining how human activities impact natural ecosystems and, conversely, how environmental changes affect societal structures and practices.
- **Promoting Sustainability:** Discussing strategies for sustainable development and resource management to ensure environmental protection while meeting societal needs.
- **Raising Awareness:** Educating participants about the importance of environmental conservation and the role individuals and communities play in this effort.
- **Encouraging Dialogue:** Facilitating discussions on policy, ethics, and practices related to environmental and societal issues.
- **Exploring Solutions:** Identifying innovative approaches and solutions to address environmental challenges and enhance societal well-being.

This Seminar was envisioned by the Patron cum Principal of Government Arya Degree College Nurpur Dr Anil Kumar Thakur who has been a strong support and perennial source of guidance throughout our journey of quest for knowledge. The seminar started with a lightening of Holy Lamp and formal welcome of our Chief Guest, Dr. Rajesh Jalota, Scientist from Australia; by the Patron cum Principal Dr Anil Kumar Thakur who addressed the seminar and welcomed all the delegates. The convener of one day National Seminar Dr Rakesh Kumar introduced the theme of the seminar to the participants and its various aspects in detail to give us a glimpse of the upcoming discussion and talks.

The Seminar started with the enlightening words of the chief Guest Dr.Rajesh Kumar Jalota ,Scientist ,13 Wimbledon Street Springfield lakes, Australia; who spoke on the topic “Simple ways to live in harmony with nature “. In his lecture he addressed about the climate change and collective efforts which are required to save Earth. The spoke about problem of landfills, problem of loitering, etc. and stressed upon the fact that waste management requires small efforts and actions which can lead to huge change in the environment and society.

The seminar also had five invited keynote speakers who enlightened the participants with their expertise and the role they can play towards nature and society.

- **Dr. Amit Chawla**, Principal Scientist, environmental technology division and in charge, centre for high altitude biology, Tandi , Lahual and spiti and CSIR Institute of Himalayan Bio resourcetechnology, Palampur (H.P) shared his knowledge on the topic “Elevation pattern of plant diversity in the western Himalayas” and spoke about environmental and ecosystem l vulnerabilities and its assessment.
- **Dr. Manoj K. Sharma**, from the Crop Genetic and information group, School of Biotechnology, J N U, New Delhi spoke on the topic Environment ethics, human values and sustainable agriculture and stressed upon the fact how natural resources should be used wisely and sustainably and how small human practices can contribute positively towards betterment of the environment.
- **Dr. AjayKaushal**, Dr.Rajesh Kumar and Dr. R Ratheesh from Centre of excellence on e- waste management for material for electronics technology from Hyderabad shared their views and talked about the environmental benign e waste recycling towards resource efficiency and circular Economy and creation of value chain, how post consumption stage is crucial and should be treated wisely to ensure sustainability and cost cutting and saving of energy.
- **Dr Usha Devi**, Research Officer Botany at Drug Standardization Research Institute, Ministry of AYUSH, at Government of India situated at Ghaziabad spoke on the topic Standardization of herbal drugs used in Indian Traditional System Of medicine.
- **Mrs. Ujla Minhas**, Department of Biochemistry, Faculty of Sciences from University of Allahabad also joined us through online mode and spoke about exploring plant deprived antimicrobial compound in the fight against antibiotics resistance.

Overall the one day hybrid National Seminar aims to foster a deeper understanding of the interconnectedness between nature and society and to inspire collaborative efforts towards a more sustainable future. The Seminar had four technical sessions running parallel in the ‘Seminar Room’ and ‘Lecture Hall-102’ both online and offline. Around 93 academicians presented their papers and were predominantly related to nature, sustainability, ecosystem,

human values, future challenges pollution and green economy. Through this initiative, Govt. Arya Degree College Nurpur able to provide a robust platform for expression of interest & cognitive thoughts and promote research opportunity to enhance knowledge and skills among all the active participants in this seminar.

Feedback on seminar from the participants was also taken so as to incorporate their valuable inputs/suggestion for the future events.

The institution is thankful to all the participants for their insightful contributions throughout the seminar. It was an intellectual engagement and we hope to leave with new knowledge and perspectives.

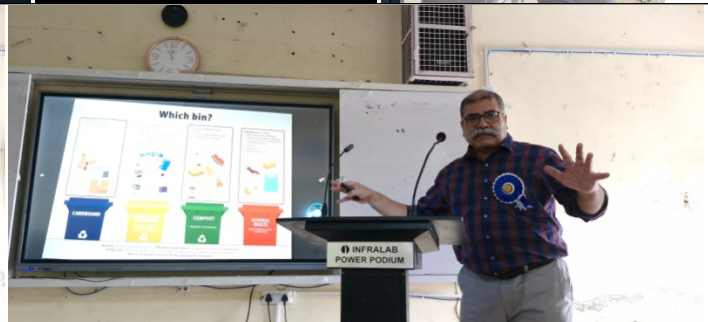
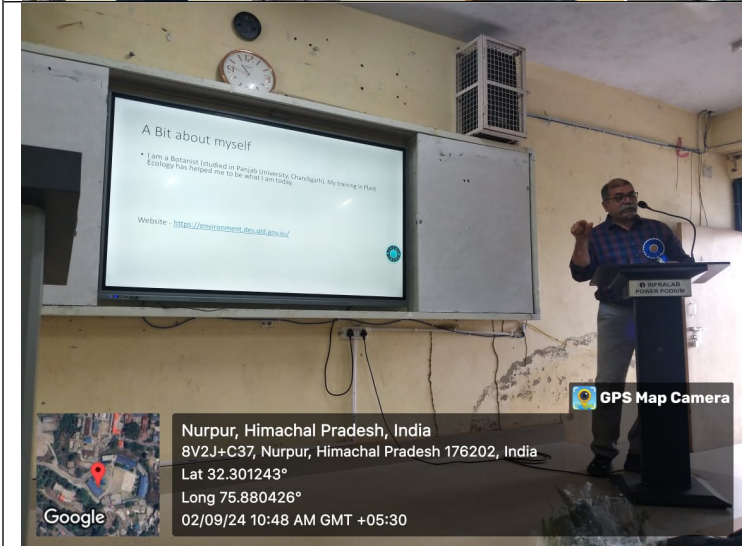
Co-ordinator: Sanjay Kumar Jasrotia

Convenor: Dr. Rakesh Kumar

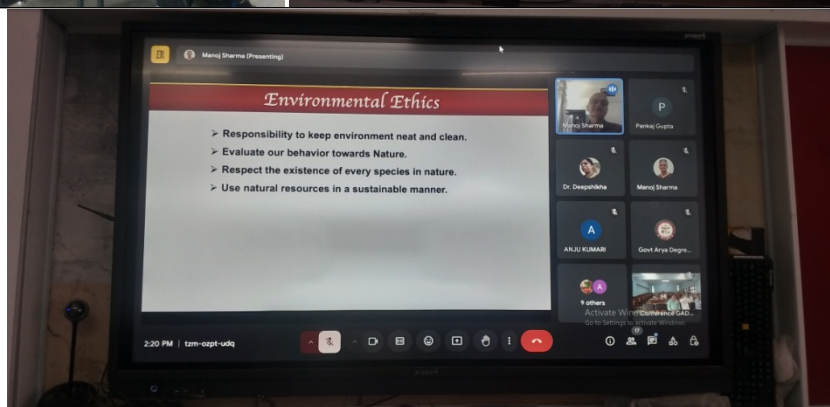
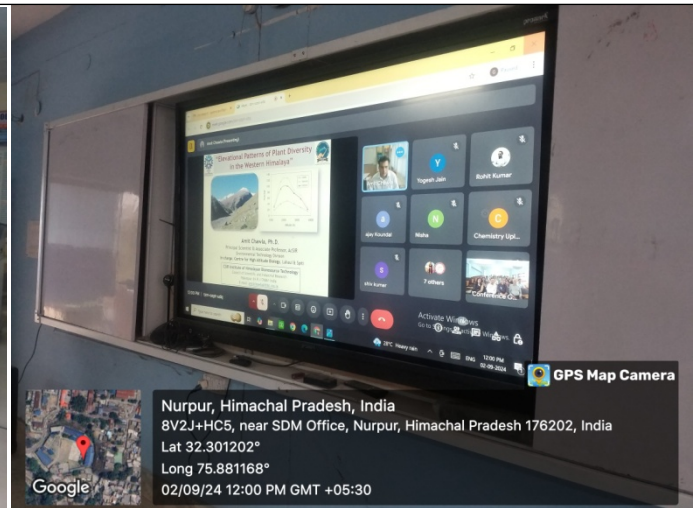
Organizing secretaries:

1. Dr. Satya Prakash
2. Ms Pearl bakshi
3. Dr. Manoj Kumar

Dr. Anil Kumar Thakur
Patron cum Principal
Govt. Arya Degree College Nurpur
District Kangra, H.P. 176202







खबर देवभूमि तक

नूरपुर



हिमाचल प्रदेश

राजकीय आर्य महाविद्यालय नूरपुर में "प्रकृति और समाज" विषय पर एकदिवसीय हाईब्रिड माध्यम से राष्ट्रीय संगोष्ठी का किया गया आयोजन

नूरपुर : भूषण शर्मा

राजकीय आर्य महाविद्यालय नूरपुर में 'प्रकृति और समाज' विषय पर एकदिवसीय हाईब्रिड माध्यम से राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन प्राचार्य डॉ॰ अनिल कुमार ठाकुर की अध्यक्षता में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के सामने दीप प्रज्वलन से किया गया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ॰ अनिल कुमार ठाकुर ने संगोष्ठी के मुख्य अतिथि डॉ॰ राजेश कुमार जलोटा का स्वागत करते हुए उनका शॉल व टोपी प्रदान किया। साथ ही कार्यक्रम के आरंभ में ही डॉक्टर अनिल कुमार ठाकुर द्वारा स्मृतिपुष्प लगाकर उनका अभिनंदन किया गया। इसके बाद प्रोफेसर संजय कुमार जसरोटिया जी ने महाविद्यालय के प्राचार्य डॉक्टर अनिल कुमार ठाकुर को टोपी और स्मृति पुष्प भेंट करते हुए उनका कार्यक्रम में स्वागत किया। संगोष्ठी के प्रथम वक्तव्य में वैज्ञानिक एवं



ऑस्ट्रेलिया सरकार में कार्यरत डॉ॰ राजेश कुमार जलोटा ने 'समाज और प्रकृति' के बारे में जानकारी देते हुए वर्तमान समय में लोगों को प्रकृति के बारे में सतर्क एवं जागरूक रहने का संदेश दिया। उन्होंने यह भी कहा कि हम प्रकृति के साथ जितना धूल मिलकर एवं सौहार्द भाव से रहेंगे, प्रकृति हमें उतना ही प्रेम और वात्सल्य प्रदान करेगी। बल्कि उससे भी अधिक प्रकृति हमारे लिए प्रगति के सारे दरवाजे खोलकर हमें अपनी गोद में जमा दे देगी। मनुष्य प्रकृति से जितना प्रेम करेगा प्रकृति उसकी एज में दो गुना प्रेम मनुष्य को वापस लौटा देती है। डॉ॰ जलोटा ने अपने वक्तव्य के माध्यम से यह भी कहा कि हमें अपने पुराने संस्कारों और वर्तमान विज्ञान को मिलकर अपने जीवन को आगे बढ़ाना चाहिए। संगोष्ठी के दूसरे मुख्य वक्ता प्रधान वैज्ञानिक, पर्यावरण प्रौद्योगिकी प्रभाग एवं प्रभारी, उच्च उन्नत जीव विज्ञान केंद्र, तकनीकी विभाग, तांडी, लाहौर स्पीति के डॉ॰ अमित चावला ने 'हिमालयन रेज की वनस्पति और प्रकृति' के बारे में जानकारी देते हुए लोगों को हिमालय में पाए जाने वाली अनेक प्रकार की वनस्पतियाँ और तापमान के बारे में जानकारी दी। इस संगोष्ठी में एक अन्य वक्ता ई-कचरा प्रबंधन उत्कृष्टता केंद्र, इलेक्ट्रॉनिक्स प्रौद्योगिकी सामग्री केंद्र, हैदराबाद से डॉ॰ अजाय कौशल ने आनलाइन माध्यम से 'पारिपरण के अनुकूल ई-कचरे का पुनर्चक्रण संसाधन दक्षता और पारिपर्य अर्थव्यवस्था की ओर' विषय पर अपना वक्तव्य प्रस्तुत किया। अपने वक्तव्य में उन्होंने बताया कि वर्तमान समाज किस तरह से विद्युतीय संसाधनों से संपर्क है और उसकी वैधता तिथि समाप्त होने पर किस तरह से यही संसाधन हमारे लिए गले की फांस बन जाते हैं। उनके कहने का तात्पर्य है कि समय रहते यदि हम लोगों ने अपनी आदतें नहीं बदली तो आने वाले समय में यह भौतिकता हमारे लिए पतन का सबसे बड़ा कारण बन जाएगी। साथ ही उन्होंने अपने वक्तव्य में उन संसाधनों को पुनः उपयोग किस तरह से कर सकते हैं उस विधि का भी व्याख्यान किया। संगोष्ठी में अन्य वक्ता, फसल अनुसंधान की एक सूचना विज्ञान समूह, जीव प्रौद्योगिकी स्कूल, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली से भी मनोज कुमार धर्मा ने आनलाइन माध्यम से 'पारिपर्य मैक्रोकार्बन, मायन मूल्य और संरक्षित कृषि' विषय पर विस्तार से वर्ण की। इसके अतिरिक्त अनुसंधान अधिकारी वनस्पति विज्ञान (वैज्ञानिक) औषधि मानकीकरण अनुसंधान संस्थान (सीसीआरएचएन), आरुण भंजालय, भारत सरकार गाजियाबाद (पुणे) से डॉ॰ उषा देवी ने आनलाइन माध्यम से 'पुरातन भारतीय औषधीय परंपरा' विषय पर एवं इलाहाबाद विश्वविद्यालय के विज्ञान संकाय के जीव रसायन विज्ञान संकाय की सुषी उजला मिश्रा से भी ऑनलाइन माध्यम से शामिल हुईं और उन्होंने 'एटीबायोटिक प्रतिरोध के खिलाफ लड़ाई में पीपी से प्राप्त टेट्रापेप्टोपी यौगिक की खोज' के बारे में बात की। इनके अतिरिक्त इस संगोष्ठी में लगभग 90 प्रतिभागियों ने अपनी जानकारी को साझा करते हुए अपने विचार प्रस्तुत किए। तत्पश्चात सभी प्रतिभागियों को महाविद्यालय के प्राचार्य एवं प्रभारी पर प्रोफेसर संजय कुमार जसरोटिया ने महाविद्यालय प्रशासन एवं परिवार की तरफ से सभी वक्ताओं एवं प्रतिभागियों का धन्यवाद किया। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रीय गान से किया गया।

महाविद्यालय नूरपुर में राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया

नूरपुर, (आपका फैसला)। राजकीय आर्य महाविद्यालय नूरपुर में प्रकृति और समाज विषय पर एकदिवसीय हाईब्रिड माध्यम से राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन प्राचार्य डॉ॰ अनिल कुमार ठाकुर की अध्यक्षता में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के सामने दीप प्रज्वलन से किया गया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ॰ अनिल कुमार ठाकुर ने संगोष्ठी के मुख्य अतिथि डॉ॰ राजेश कुमार जलोटा का स्वागत करते हुए उनका शॉल व टोपी प्रदान किया। साथ ही कार्यक्रम के आरंभ में ही डॉक्टर अनिल कुमार ठाकुर द्वारा स्मृति पुष्प लगाकर अभिनंदन किया गया। इसके बाद प्रोफेसर संजय कुमार जसरोटिया ने महाविद्यालय के प्राचार्य डॉक्टर अनिल कुमार ठाकुर को टोपी और स्मृति पुष्प भेंट करते हुए उनका कार्यक्रम में स्वागत किया। संगोष्ठी के प्रथम वक्तव्य में वैज्ञानिक एवं ऑस्ट्रेलिया सरकार में कार्यरत डॉ॰ राजेश कुमार जलोटा ने 'समाज और प्रकृति' के बारे में जानकारी देते हुए वर्तमान समय में लोगों को प्रकृति के बारे में सतर्क एवं जागरूक रहने का संदेश दिया।

"प्रकृति और समाज" विषय पर एकदिवसीय हाईब्रिड माध्यम से राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन प्राचार्य डॉ॰ अनिल कुमार ठाकुर की अध्यक्षता में किया गया

नूरपुर से विनय महाजन। राजकीय आर्य महाविद्यालय नूरपुर में प्रकृति और समाज विषय पर एकदिवसीय हाईब्रिड माध्यम से राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन प्राचार्य डॉ॰ अनिल कुमार ठाकुर ने किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के सामने दीप प्रज्वलन से किया गया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ॰ अनिल कुमार ठाकुर ने संगोष्ठी के मुख्य अतिथि डॉ॰ राजेश कुमार जलोटा का स्वागत करते हुए उनका शॉल व टोपी प्रदान किया। साथ ही कार्यक्रम के आरंभ में ही डॉक्टर अनिल कुमार ठाकुर द्वारा स्मृति पुष्प लगाकर अभिनंदन किया गया। इसके बाद प्रोफेसर संजय कुमार जसरोटिया जी ने महाविद्यालय के प्राचार्य डॉक्टर अनिल कुमार ठाकुर को टोपी और स्मृति पुष्प भेंट करते हुए उनका कार्यक्रम में स्वागत किया। संगोष्ठी के प्रथम वक्तव्य में वैज्ञानिक एवं ऑस्ट्रेलिया सरकार में कार्यरत डॉ॰ राजेश कुमार जलोटा ने 'समाज और प्रकृति' के बारे में जानकारी देते हुए वर्तमान समय में लोगों को प्रकृति के बारे में सतर्क एवं जागरूक रहने का संदेश दिया। संगोष्ठी के दूसरे मुख्य वक्ता प्रधान वैज्ञानिक, पर्यावरण प्रौद्योगिकी प्रभाग एवं प्रभारी, उच्च उन्नत जीव विज्ञान केंद्र, तकनीकी विभाग, तांडी, लाहौर स्पीति के डॉ॰ अमित चावला ने 'हिमालयन रेज की वनस्पति और प्रकृति' के बारे में जानकारी देते हुए लोगों को हिमालय में पाए जाने वाली अनेक प्रकार की वनस्पतियाँ और तापमान के बारे में जानकारी दी। इस संगोष्ठी में एक अन्य वक्ता ई-कचरा प्रबंधन उत्कृष्टता केंद्र, इलेक्ट्रॉनिक्स प्रौद्योगिकी सामग्री केंद्र, हैदराबाद से डॉ॰ अजाय कौशल ने आनलाइन माध्यम से 'पारिपर्य के अनुकूल ई-कचरे का पुनर्चक्रण संसाधन दक्षता और पारिपर्य अर्थव्यवस्था की ओर' विषय पर अपना वक्तव्य प्रस्तुत किया।



अमर उजाला

न्यूज डायरी

नूरपुर कॉलेज में जागरूक किए लोग

नूरपुर कॉलेज में वक्ताओं को सम्मानित करते प्राचार्य और अन्य। -संवाद

नूरपुर (कांगड़ा)। राजकीय आर्य महाविद्यालय नूरपुर में प्रकृति और समाज विषय पर एकदिवसीय हाईब्रिड माध्यम से राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन प्राचार्य डॉ॰ अनिल कुमार ठाकुर की अध्यक्षता में किया गया। इसमें मुख्य अतिथि डॉ॰ राजेश कुमार जलोटा ने संगोष्ठी के प्रथम वक्तव्य में वैज्ञानिक एवं ऑस्ट्रेलिया सरकार में कार्यरत डॉ॰ राजेश कुमार जलोटा ने 'समाज और प्रकृति' के बारे में जानकारी दी और वर्तमान समय में लोगों को प्रकृति के बारे में जागरूक रहने का संदेश दिया। -संवाद

राजकीय आर्य महाविद्यालय में प्रकृति और समाज विषय पर संगोष्ठी का किया आयोजन

संवाद नूरपुर/कांगड़ा की खबर

नूरपुर, 25 अक्टूबर: राजकीय आर्य महाविद्यालय नूरपुर में प्रकृति और समाज विषय पर एकदिवसीय हाईब्रिड माध्यम से राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन प्राचार्य डॉ॰ अनिल कुमार ठाकुर की अध्यक्षता में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के सामने दीप प्रज्वलन से किया गया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ॰ अनिल कुमार ठाकुर ने संगोष्ठी के मुख्य अतिथि डॉ॰ राजेश कुमार जलोटा का स्वागत करते हुए उनका शॉल व टोपी प्रदान किया। साथ ही कार्यक्रम के आरंभ में ही डॉक्टर अनिल कुमार ठाकुर द्वारा स्मृतिपुष्प लगाकर उनका अभिनंदन किया गया। इसके बाद प्रोफेसर संजय कुमार जसरोटिया जी ने महाविद्यालय के प्राचार्य डॉक्टर अनिल कुमार ठाकुर को टोपी और स्मृति पुष्प भेंट करते हुए उनका कार्यक्रम में स्वागत किया। संगोष्ठी के प्रथम वक्तव्य में वैज्ञानिक एवं ऑस्ट्रेलिया सरकार में कार्यरत डॉ॰ राजेश कुमार जलोटा ने 'समाज और प्रकृति' के बारे में जानकारी देते हुए वर्तमान समय में लोगों को प्रकृति के बारे में सतर्क एवं जागरूक रहने का संदेश दिया।

नूरपुर कॉलेज में 'प्रकृति और समाज' पर सजी संगोष्ठी

नूरपुर। राजकीय आर्य महाविद्यालय नूरपुर में 'प्रकृति और समाज' विषय पर एक दिवसीय हाईब्रिड माध्यम से राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन प्राचार्य डा. अनिल कुमार ठाकुर की अध्यक्षता में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के सामने दीप प्रज्वलन से किया गया। महाविद्यालय के प्राचार्य डा. अनिल कुमार ठाकुर ने संगोष्ठी के मुख्य अतिथि डा. राजेश कुमार जलोटा का स्वागत करते हुए उनका शॉल व टोपी प्रदान किया। संगोष्ठी के प्रथम वक्तव्य में वैज्ञानिक एवं ऑस्ट्रेलिया सरकार में कार्यरत डा. राजेश कुमार जलोटा ने 'समाज और प्रकृति' के बारे में जानकारी देते हुए वर्तमान समय में लोगों को प्रकृति के बारे में सतर्क एवं जागरूक रहने का संदेश दिया।

प्रकृति के बारे में जागरूक रहने का दिया संदेश

नूरपुर। राजकीय आर्य महाविद्यालय नूरपुर में 'प्रकृति और समाज' विषय पर एक दिवसीय हाईब्रिड माध्यम से राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन प्राचार्य डा. अनिल कुमार ठाकुर की अध्यक्षता में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के सामने दीप प्रज्वलन से किया गया। महाविद्यालय के प्राचार्य डा. अनिल कुमार ठाकुर ने संगोष्ठी के मुख्य अतिथि डा. राजेश कुमार जलोटा का स्वागत करते हुए उनका शॉल व टोपी प्रदान किया। संगोष्ठी के प्रथम वक्तव्य में वैज्ञानिक एवं ऑस्ट्रेलिया सरकार में कार्यरत डा. राजेश कुमार जलोटा ने 'समाज और प्रकृति' के बारे में जानकारी देते हुए वर्तमान समय में लोगों को प्रकृति के बारे में सतर्क एवं जागरूक रहने का संदेश दिया।



